



GK/GS का महा संग्राम

HISTORY

वैदिक काल (VEDIC AGE)

हमारे **TOPIC EXPERT** के साथ

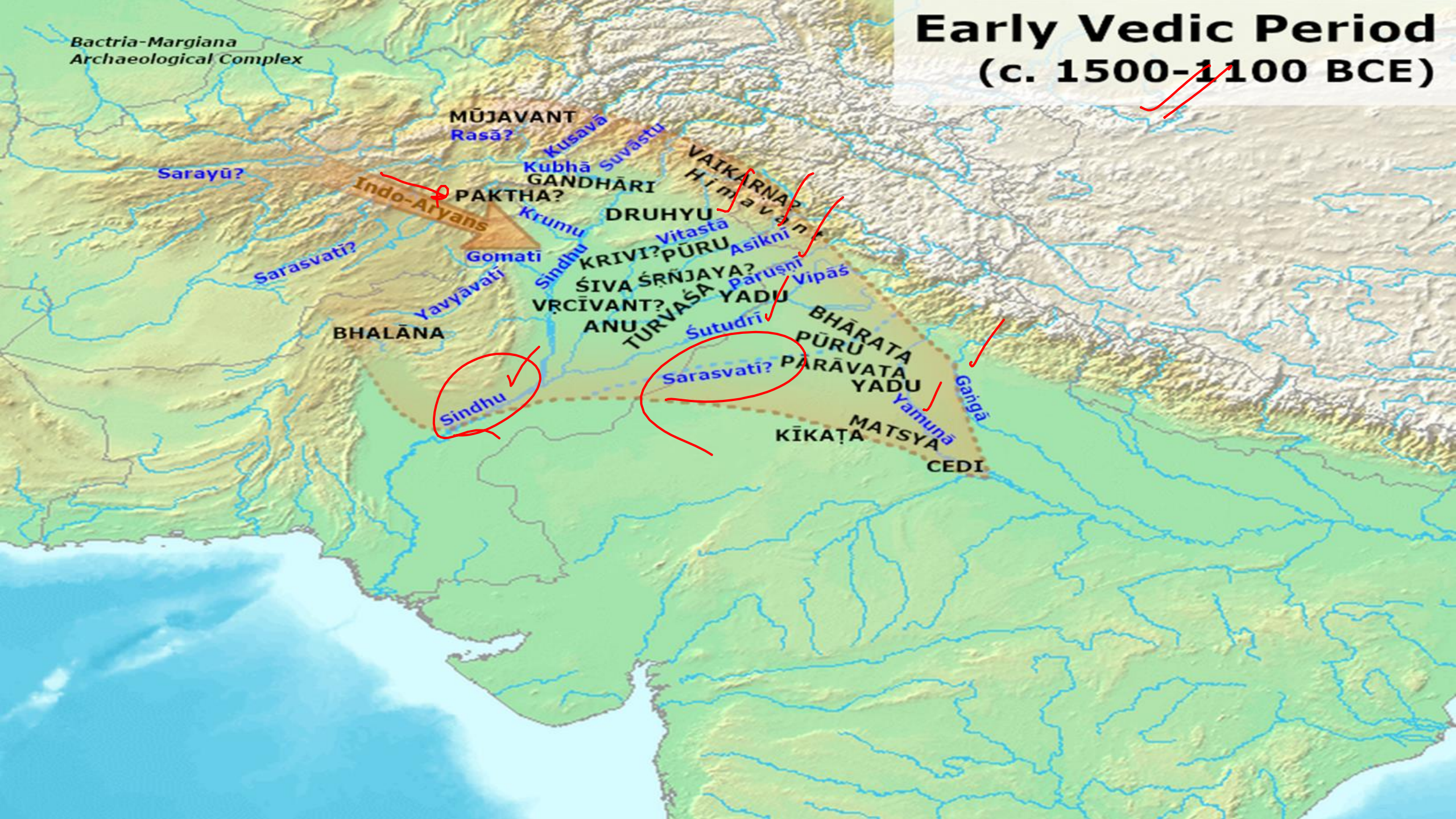
देखें शाम 07:00 बजे



LIVE

BY GS GURU

Early Vedic Period (c. 1500-1100 BCE)



Bactria-Margiana
Archaeological Complex

Sarayū?

MŪJAVANT
Rasā?

Kusavā

Kubhā

GANDHĀRI

VAIKARNA?
Himavān?

Indo-Aryans

PAKTHA?

DRUHYU

Vitasta

Krumu

KRIVI?PŪRU

Asikni

Sarasvati?

Gomati

ŚIVA ŚRŪJAYA?

Paruṣṇī

Yavyāvati

VRCĪVANT?

Vipāś

BHALĀNA

ANU

TURVAŚA

YADU

Sutudrī

BHĀRATA

PŪRU

PARĀVATA?

YADU

Gangā

KĪKAṬA

MATSYA

CEDI

Sindhu

Sarasvati?

Yamunā



वैदिक काल (Vedic Period)

ऋग्वैदिक काल

(Rigvedic Period)

1500 ई.पू.-1000 ई.पू.

उत्तरवैदिक काल

(Later vedic Period)

1000 ई.पू.-600 ई.पू.



वैदिक सभ्यता/

Vedic
Civilization

- सिंधु घाटी सभ्यता के पश्चात भारत में जिस नवीन सभ्यता का विकास हुआ उसे ही आर्य अथवा वैदिक सभ्यता या वैदिक काल के नाम से जाना जाता है। वैदिक सभ्यता या वैदिक काल की जानकारी हमें मुख्यतः वेदों से प्राप्त होती है।
- The new civilization that developed in India after the Indus Valley Civilization is known as Arya or Vedic civilization or Vedic period. We get information about Vedic civilization or Vedic period mainly from the Vedas.
- यह एक ग्रामीण सभ्यता थी जबकि सिन्धु घाटी सभ्यता एक नगरीय सभ्यता थी।
- It was a rural civilization whereas the Indus Valley Civilization was an urban civilization.



आर्यों का आगमन/ Arrival of Aryans

- वैदिक काल में आर्यों का आगमन भारत में हुआ था। आर्य संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है “श्रेष्ठ” ।
- Aryans had arrived in India during the Vedic period. Arya is a Sanskrit word meaning “Superior”.
- आर्य सर्वप्रथम पंजाब और अफगानिस्तान में आकर बसे । इनकी भाषा संस्कृत थी ।
- Aryans first settled in Punjab and Afghanistan. Their language was Sanskrit.



आर्यों का मूल स्थान/ Origin of Aryans

- प्रो. मैक्स मूलर (Prof. Max Muller) - मध्य एशिया (Central Asia)
- दयानंद सरस्वती (Dayanand Saraswati) - तिब्बत (Tibet)
- बाल गंगाधर तिलक (Bal Gangadhar Tilak) - उत्तरी ध्रुव (North Pole)

Aryan Migrations into India, 1500 - 250 B.C.



Early Vedic

Later Vedic Period

GEOGRAPHY SKILLBUILDER
INTERPRETING MAPS
Movement What geographic feature stopped the Aryans from moving into China?



साहित्यिक स्रोत

(Literary Sources)

①
• वैदिक काल में ऋग्वेदिक साहित्य का विकास हुआ जबकि यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद का विकास उत्तर वैदिक काल में हुआ माना जाता है। इस प्रकार ये चार वेद ही इस काल के प्रमुख साहित्यिक स्रोत हुए।

- The Rigvedic literature developed in the Vedic period, while the Yajurveda, Samaveda and Atharvaveda are believed to have developed in the later Vedic period. Thus these four Vedas became the main literary sources of this period.



GS/GK का महासंग्राम



Like/Share





ऋग्वेद/ Rigveda

Q1

- ऋग्वेद सबसे प्राचीन वेद है।

- Rigveda is the oldest Veda.

Q2

- इसमें 10 मंडल और 1028 सूक्त हैं।

- It consists of 10 mandalas and 1028 suktas.

Q3

- ऋग्वेद के तीसरे मंडल में गायत्री मंत्र हैं।

- The Gayatri Mantra is in the third mandala of the Rigveda.



✓ ऋग्वेद में स्तोत्र और प्रार्थनाएं का संचय है।

- The Rigveda is a collection of hymns and prayers.

• ऋग्वेद में कुल मंत्रों की संख्या 10580 है, इसमें 118 मंत्र दोहराए गए हैं मूल मंत्रों की संख्या 10462 है।

- The total number of mantras in Rigveda is 10580, in which 118 mantras are repeated, the number of original mantras is 10462.



GS/GK का महासंग्राम





- Rigveda is organized into 10 mandalas. In this, the circles from 2 to 7 are considered to be the oldest.
- ऋग्वेद 10 मण्डलों में संगठित है। इसमें 2 से 7 तक के मण्डल प्राचीनतम माने जाते हैं।
- The names of Gritsamad, Vishwamitra, Vamadeva, Bharadvaja, Atri and Vashishta etc. are found as the authors of the mantras of Rigveda.
- गृत्समद, विश्वामित्र, वामदेव, भारद्वाज, अत्रि और वशिष्ठ आदि के नाम ऋग्वेद के मन्त्र रचयिताओं के रूप में मिलते हैं।



- The names of women are also found as the makers of the mantras, the main ones being - Lopamudra, Ghosha, Shachi, Poulomi and Classavriti etc.



- मन्त्र रचयिताओं में स्त्रियों के भी नाम मिलते हैं, जिनमें प्रमुख हैं- लोपामुद्रा, घोषा, शची, पौलोमी एवं कक्षावृती आदि।

- According to scholars, Rigveda was composed in Punjab.

- विद्वानों के अनुसार ऋग्वेद की रचना पंजाब में हुई थी।



- The brahmin who recites the Rigveda is called

Hotr.

- ऋग्वेद का पाठ करने वाले ब्राह्मण को होतृ कहा गया है। यज्ञ के समय यह ऋग्वेद की ऋचाओं का पाठ करता था।

- The sentence 'Asato Ma Sadgamaya' has been taken from Rigveda.'

- असतो मा सद्गमय' वाक्य ऋग्वेद से लिया गया है।



• The Upaveda of Rig Veda is the Ayurveda.



• आयुर्वेद , ऋग्वेद का उपवेद है ।

- Mandala 9 – All the hymns are dedicated entirely to Soma.



• मंडल 9 - सभी भजन पूरी तरह से सोम को समर्पित हैं।



- Mandala 1 - It is primarily dedicated to Indra and Agni. Varuna, Surya, Mitra, Rudra, and Vishnu have also been mentioned.



- मंडला 1 – यह मुख्य रूप से इंद्र और अग्नि को समर्पित है। वरुण, सूर्य, मित्र, रुद्र और विष्णु का भी उल्लेख किया गया है।

- Mandala 10 - It contains 'Nadi Stuti Sukta' praising the rivers. It contains hymns that are traditionally chanted during marriage and death rituals.



- मंडला 10 - इसमें नदियों की स्तुति करने वाली 'नदी स्तुति सूक्त' है। इसमें ऐसे भजन शामिल हैं जिन्हें पारंपरिक रूप से विवाह और मृत्यु की रस्मों के दौरान गाया जाता है।



- Gayatri Mantra is in the third mandala of the Rigveda. It has a total of 62 hymns which are dedicated to Indradev and Agnidev. It was composed by Maharishi Vishwamitra.

Q1

- गायत्री मंत्र ऋग्वेद के तीसरे मंडल में है। इस में कुल 62 सूक्त हैं जो इंद्रदेव और अग्निदेव को समर्पित हैं। इसकी रचना महर्षि विश्वामित्र ने की।

Q3



सप्त सैंधव प्रदेश (Sapta Sandhav Pradesh)

M. Imp.

Sapta Sandhav Pradesh → Indus +
5 tributaries + Saraswati river

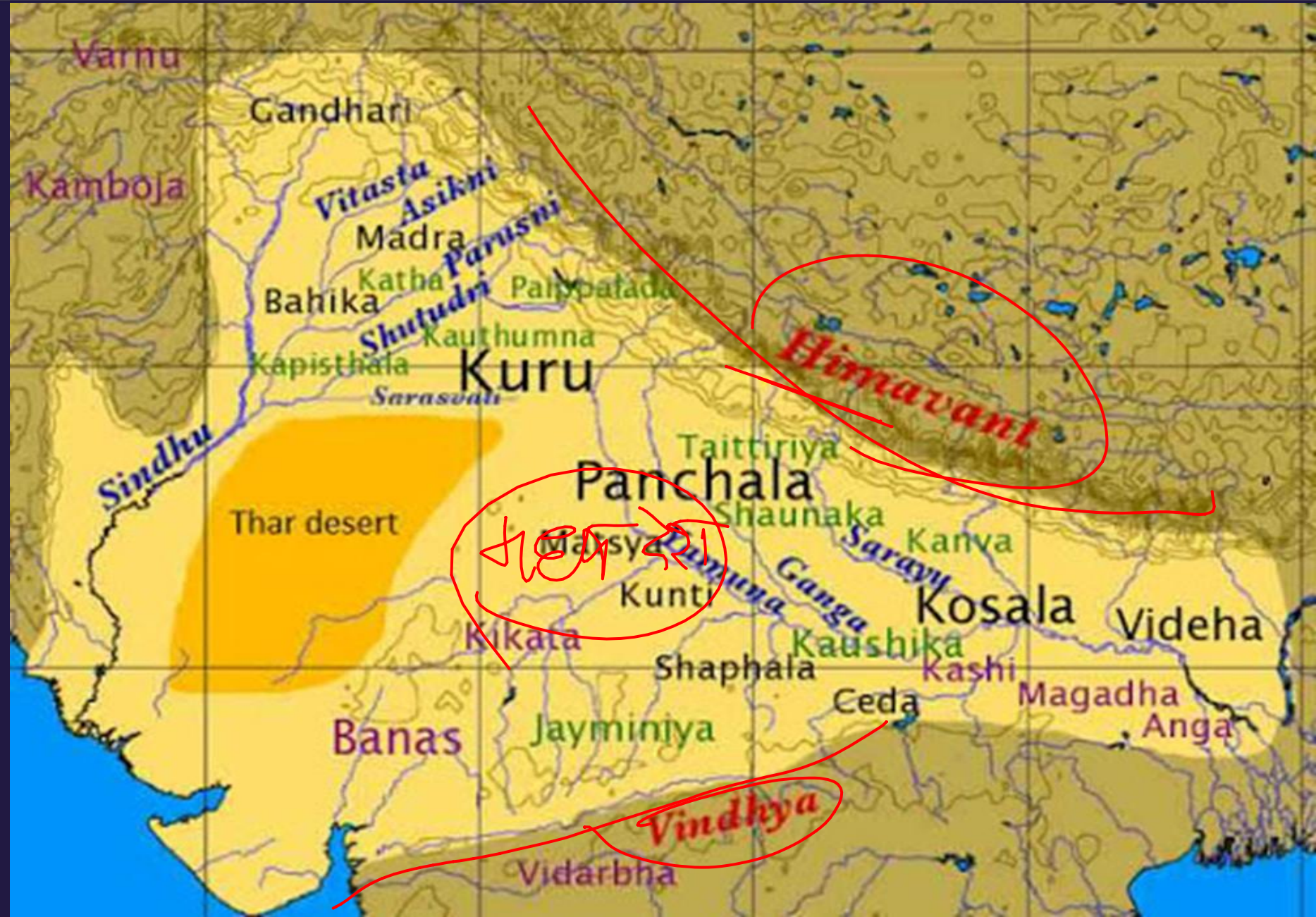
- ऋग्वेद में आर्य निवास-स्थल के लिये सप्तसैंधव क्षेत्र का उल्लेख मिलता है, जिसका अर्थ है सात नदियों का क्षेत्र। सतलुज से यमुना नदी तक का क्षेत्र 'ब्रह्मवर्त' कहलाता था, जिसे ऋग्वैदिक सभ्यता का केन्द्र माना जाता था।
- The area from Sutlej to Yamuna river was called 'Brahmavaria' which was considered as the center of the Rigvedic Civilization.

Imp.

Q. x



सप्त सैंधव प्रदेश (Sapta Sandhav Pradesh)

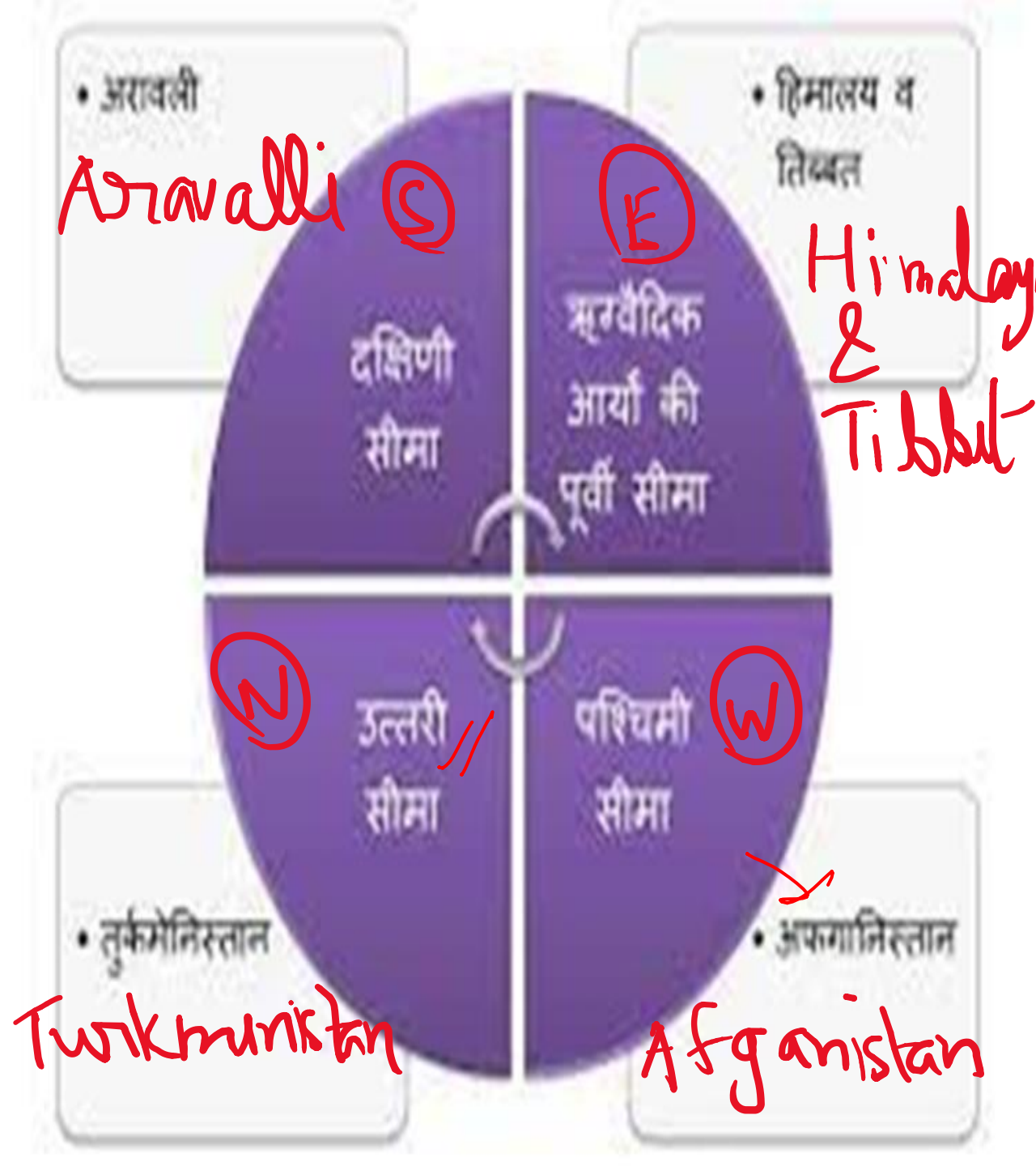
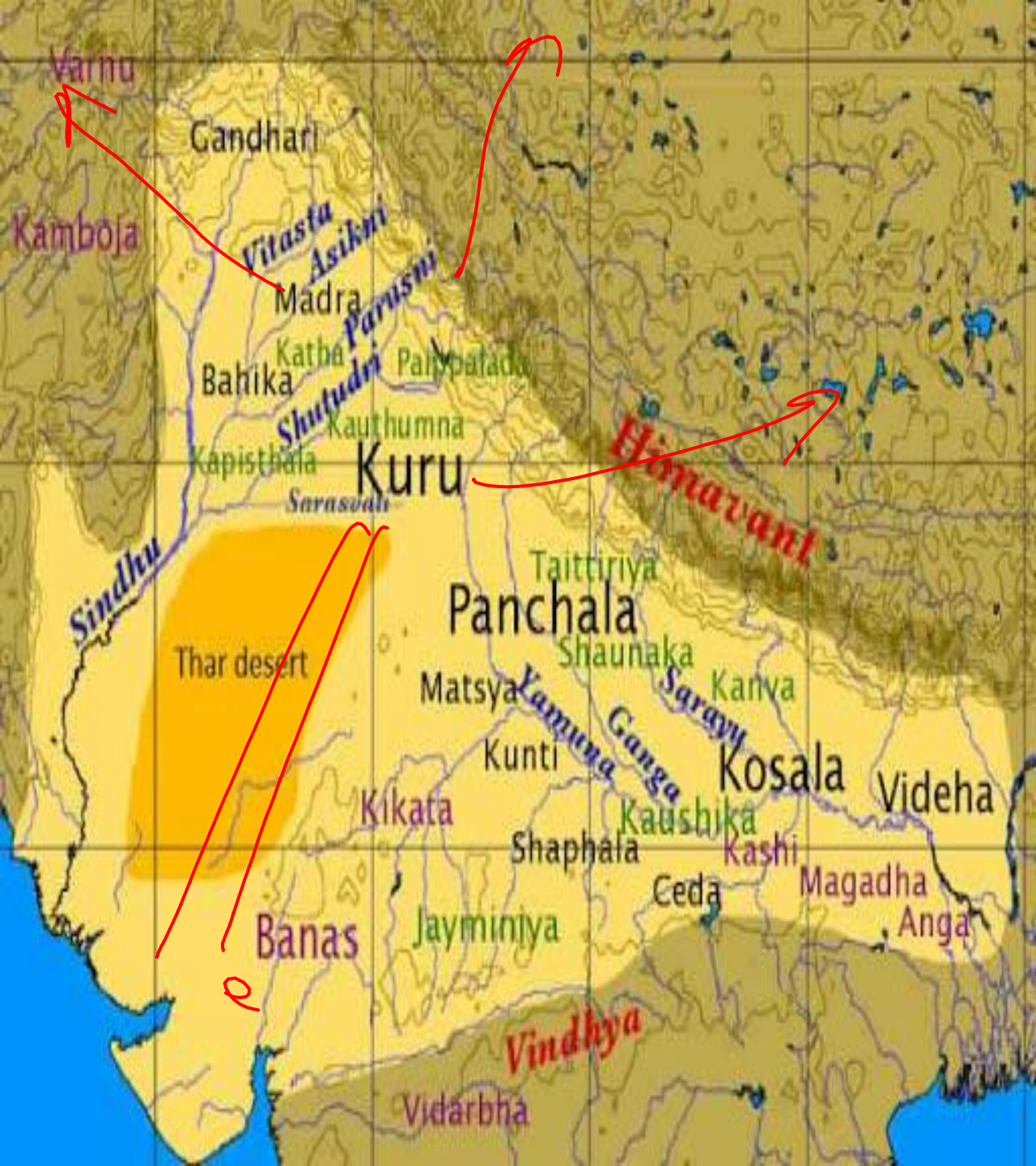




- आर्यों ने हिमालय और विन्ध्याचल पर्वतों के बीच के क्षेत्र पर कब्ज़ा करके उस क्षेत्र का नाम 'मध्य देश' रखा।
- The Aryans occupied the area between the Himalayas and the Vindhyaachal mountains and named that region 'Madhya Desh'.
- कालांतर में आर्यों ने सम्पूर्ण उत्तर भारत में अपने विस्तार कर लिया, जिसे 'आर्यावर्त' कहा जाता था।
- Later on, the Aryans expanded in the whole of North India, which was called 'Aryavarta'



- ऋग्वैदिक आर्यों की पूर्वी सीमा हिमालय और तिब्बत, उत्तर में वर्तमान तुर्कमेनिस्तान, पश्चिम में अफगानिस्तान तथा दक्षिण में अरावली तक विस्तृत थी।
- The eastern range of the Rigvedic Aryans extended to the Himalayas and Tibet, present-day Turkmenistan in the north, Afghanistan in the west and the Aravallis in the south.





सबसे पवित्र → सप्त-नदी

ऋग्वेदिक काल की नदियाँ /

Rivers of Rigvedic

Period

- ऋग्वेदिक काल की सबसे महत्वपूर्ण नदी सिंधु का वर्णन ऋग्वेद में आया है। इसके अतिरिक्त, गंगा का एक बार तथा यमुना का तीन बार उल्लेख आया है। ऋग्वेद में नदियों की कुल संख्या लगभग 25 बताई गई है।
- The description of the most important river Sindhu of the Rigvedic period has come in the Rigveda. Apart from this, Ganga is mentioned once and Yamuna is mentioned thrice. The total number of rivers in the Rigveda is said to be about 25.



Vib

- ऋग्वेद में सरस्वती नदी को सर्वाधिक पवित्र बताया गया है और इसे नदीतमा अर्थात् नदियों में प्रमुख व नदियों की माता (Mother of Rivers) कहकर पुकारा गया है। ऋग्वेद में हिमालय एवं उसकी चोटी मुजवंत का उल्लेख भी मिलता है।

- In the Rigveda, the Saraswati river has been described as the most sacred and it has been called as Naditama, that is, the chief of rivers and the mother of rivers. The mention of the Himalayas and its peak Mujwant is also found in the Rigveda.



GS/GK का महासंग्राम



नदियाँ और वर्तमान नाम
(Rivers & Current
Name)

प्राचीन नाम (Ancient Name)	वर्तमान नाम (Current Name)
शुतुद्रि /Shutudri ✓	सतलज /Satluj ✓
अस्कनी /Askini ✓	चिनाब /Chenab ✓
विपाशा /Vipasha ✓	ब्यास /Beas ✓
कुभा /Kubha ✓	काबुल /kagul ✓
सदानीरा/ Sadanira ✓	गंडक /Gandak ✓
पुरुष्णी /Parushni ✓	रावी /Raavi ✓
वितस्ता /Vitasta ✓	झेलम /Jhelam ✓
सरस्वती /Saraswati ✓	घग्घर Ghaggar ✓



GS/GK का महासंग्राम



ऋग्वैदिक काल में समाज 4 वर्णों में बंटा हुआ था:

1. ब्राह्मण /Bramhana
2. क्षत्रिय/ Kshatriya
3. वैश्य/ Vaishya
4. शूद्र/ Shudra

सामाजिक स्थिति/

Social
Condition



वैदिक काल में वर्ण व्यवसाय के आधार पर निर्धारित किए गए



सामाजिक स्थिति/ Social Condition

- आर्यों का समाज पितृ प्रधान था ।
- Aryan society was patriarchal.
- इस काल में स्त्रियां अपने पति के साथ यज्ञ कार्य में भाग लेती थीं। बाल विवाह, सती प्रथा एवं पर्दा प्रथा का प्रचलन नहीं था ।
- During this period, women along with their husbands used to participate in the yagya work. Child marriage, sati system and purdah system were not prevalent.
- विधवा विवाह की प्रथा प्रचलन में थी।
- Widow marriage was in vogue.



सामाजिक स्थिति/ Social Condition

- विवाह में दहेज जैसी कुप्रथा का प्रचलन नहीं था किन्तु 'वहतु' शब्द कन्या को दिये जाने वाले उपहार के लिए प्रयुक्त होता था।
- There was no practice of dowry in marriage, but the word 'Vahtu' was used for the gift given to the girl.
- शिक्षा के द्वार स्त्रियों के लिए भी खुले थे। ऋग्वेद में लोपामुद्रा, घोषा, सिकता, अपाला, एवं विश्ववारा जैसी विदुषी स्त्रियों का वर्णन है।
- The doors of education were also open to women. In the Rigveda, there are descriptions of learned women like Lopamudra, Ghosha, Sikta, Apala, and Vishwavara.



सामाजिक स्थिति/ Social Condition



- आजीवन अविवाहित रहने वाली कन्या 'अमाजू' कहलाती थी।
- The girl who remained unmarried for life was called 'Amaju'.
- आर्य मांसाहारी व शाकाहारी दोनों प्रकार का भोजन करते थे।
- Aryans used to eat both non-vegetarian and vegetarian food.
- आर्य समाज में विवाह एक पवित्र संस्कार माना जाता था। समाज में दो प्रकार के विवाह प्रचलित थे –
- Marriage was considered a sacred sacrament in the Arya Samaj. Two types of marriages were prevalent in the society-



सामाजिक स्थिति/ Social Condition

- अनुलोम विवाह - उच्च वर्ण का पुरुष और निम्न वर्ण की स्त्री ।
• Anulom Vivah - A man of higher varna and a female of lower varna.
- प्रतिलोम विवाह - उच्च वर्ण की स्त्री और निम्न वर्ण का पुरुष ।
• Pratiloma Vivah - a woman of higher varna and a man of lower varna.



राजनीतिक स्थिति/ Political Condition

- ऋग्वैदिक समाज कबीलाई व्यवस्था पर आधारित था। ऋग्वैदिक लोग जनों व कबीलों में विभाजित थे। कबीले का एक राजा होता था, जिसे 'गोप' कहा जाता था।
- The Rigvedic society was based on the tribal system. The Rigvedic people were divided into janas and tribes. The clan had a king, who was called 'Gop'.



राजनीतिक स्थिति/

Political Condition



• आर्यों को पंचजन भी कहा गया है, क्योंकि इनके पांच कबीले (कुल) थे-अनु, द्रुहु, पुरु, तुर्वस तथा यदु।

• Aryans are also called Panchjans, because they had five clans - Anu, Druhu, Puru, Turvas and Yadu.



• आर्यों की राजव्यवस्था 5 भागों में बंटी थी:





राजनीतिक स्थिति/

Political Condition

- ऋग्वैदिक काल में महिलाएं भी राजनीति में भाग लेती थीं। सभा एवं विदथ परिषदों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी थी।
- Women also participated in politics during the Rigvedic period. There was an active participation of women in Sabha and Vidatha Parishads.
- सभा और समिति राजा को सलाह देने वाली संस्था थी। सभा श्रेष्ठ एवं संभ्रांत लोगों की संस्था थी जबकि समिति सामान्य जनता का प्रतिनिधित्व करती थी।
- The sabha and samiti were the advisory body to the king. The Sabha was an organization of the elite and the elite while the Samiti represented the general public.



राजनीतिक स्थिति/

Political Condition

- राजा भूमि का स्वामी नहीं होता था, जबकि भूमि का स्वामित्व जनता में निहित था।

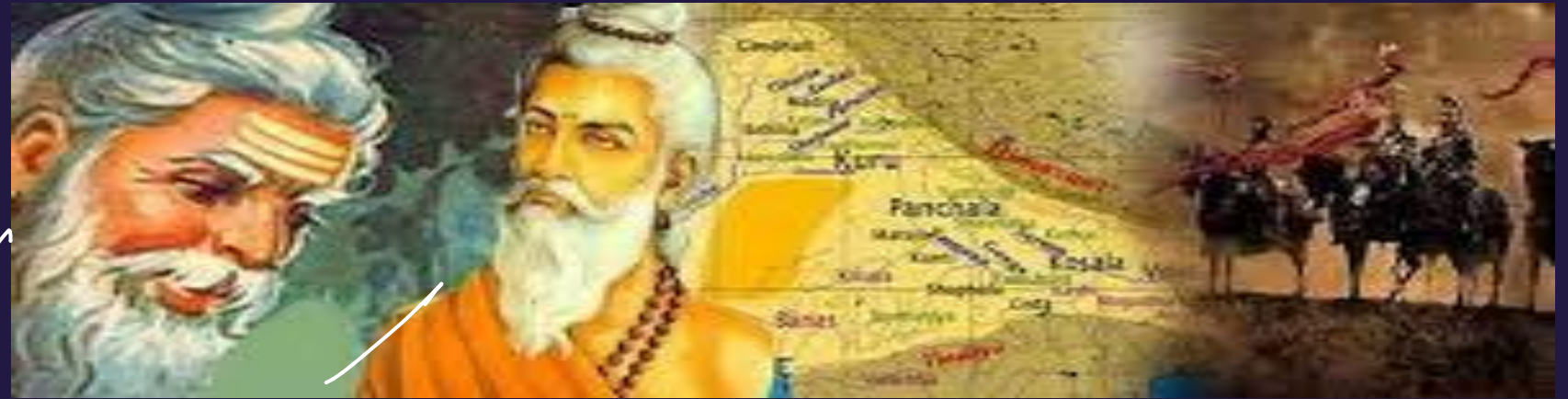
- The king was not the owner of the land, whereas the ownership of the land was vested in the people.



- 'बलि' एक प्रकार कर था जो प्रजा द्वारा स्वेच्छा से राजा को दिया जाता था।
- 'Bali' was a kind of tax which was voluntarily given by the subjects to the king.



The Battle of 10 Kings /दशराज्ञ युद्ध



- दस राजाओं के साथ युद्ध, दशराज्ञ युद्ध परुष्णी (रावी) नदी के तट पर भरत वंश के राजा सुदास तथा दस जनों-पांच आर्य एवं पांच अनार्य के बीच हुआ था। अंत में इस युद्ध में भरत राजा सुदास की विजय हुई।
- The battle with ten kings, the Dasharagya war took place on the banks of the Parushni (Ravi) river between King Sudas of the Bharata dynasty and ten men - five Aryans and five non-Aryans. In the end, Bharata King Sudas was victorious in this war.



वैदिक काल के देवता/ Gods of Vedic period

Q1

- इंद्र(Indra):- यह आर्यों के सर्वाधिक प्रिय देवता थे, इन्हें युद्ध तथा वर्षा का देवता माना जाता था और इन्हें पुरंदर भी कहते थे। ऋग्वेद के 250 सूक्त इंद्र को समर्पित हैं।

Q1

Q3

- He was the most beloved god of the Aryans, was considered the god of war and rain and was also called Purandar. 250 hymns of Rigveda are dedicated to Indra.

Q2

- अग्नि(Agni):- आग के देवता God of fire.

- अग्नि को 200 सूक्त समर्पित हैं। There are 200 hymns dedicated to Agni.



वैदिक काल के देवता/
Gods of Vedic
period

- वरुण(Varun):- वायु देवता /God of the Wind
- सोम(Som):- जंगल के देवता /God of the forest
- मारुत(Marut): - तूफान के देवता /Lightning God
- रुद्र(Rudra):- ये सबसे क्रोध वाले देवता थे/He was the most angry god.



Q.1 पूर्व वैदिक या ऋग्वेदिक संस्कृति का काल किसे माना जाता है ? (ई.पू.-B.C.)

Which is considered the period of Pre-Vedic or Rigvedic culture?

Like/Share

Later Vedic Period

✓ A - 1500 ई.पू. 1000 ई.पू.

✓ B - 1000 ई.पू.-600 ई.पू.

✓ C - 600 ई.पू.-600 ई.पू.

✓ D - निश्चित नहीं है



Q.2 किस देवता के लिए ऋग्वेद में 'पुरंदर' शब्द का प्रयोग हुआ है ?

For which deity is the word 'Purandar' used in Rigveda?

Like Shard

- (a) इंद्र / Indra
- (b) अग्नि / Agni
- (c) वरुण / Varuna
- (d) सोम / Some



Q.3 गायत्री मन्त्र किस पुस्तक में मिलता है ?

Gayatri Mantra is found in which book?

A – ऋग्वेद / Rigveda

B – यजुर्वेद / Yajurveda

C – उपनिषद / Upnishad

D – भगवतगीता / Bhagwat Gita



Q.4 गोत्र व्यवस्था प्रचलन में कब आई ?

When did the Gotra system come into vogue?

A - ऋग्वेद काल में /In Rigveda period

B - उत्तर वैदिक काल में /In the Later Vedic period

C - महाकाव्य काल में /In the Epic period

D - उपर्युक्त में से कोई नहीं /None of the Above



Q.5 ऋग्वेद में कुल कितने मंडल हैं ?

How many mandalas are there in Rigveda?

- A- 10
- B- 11
- C- 12
- D- 13



Q.6 वैदिक काल में व्यास नदी को किस नाम से जाना जाता था?

By what name was the river Beas known in the Vedic period?

A-विपाशा/ Vipasha

B-क्रमू / Kramu

C-गोमती/ Gomti

D-कुभा /Kubha



Q.7 ऋग्वेद में सबसे महत्वपूर्ण तथा पवित्र नदी मानी जाती थी?

The most important and sacred river in Rigveda was considered?

A-सरस्वती/ Saraswati

B-गंगा/ Ganga

C-सतलज/ Sutlej

D-सिंधु/ Indus



Q.8 आर्य शब्द इंगित करता है ?

What does the word Arya indicate?

A - नृजाती समूह /Ethnic group

B - श्रेष्ठ वंश /Superior lineage

C -भाषा समूह /Language group

D - उपर्युक्त में से कोई नहीं/ None of the
Above



Q.9 आर्य भारत में संभवतः कहां से आये थे?

Where did the Aryans possibly come from in India?

- A - यूरोप से /From Europe
- B - मध्य एशिया से /From Central Asia
- C- पूर्वी एशिया से /From East Asia
- D - अन्य क्षेत्रों से /From other regions



Q.10 गायत्री मन्त्र की रचना किसने की थी ?

Who composed the Gayatri Mantra?



A –वशिष्ट /Vashisht

B –विश्वामित्र /Vishvamitra

C –इंद्र /Indra

D –परीक्षित /Parikshit